

राम नाम के साबुन से जो मन का मैल भगाएगा

राम नाम के साबुन से जो मन का मैल भगाएगा,
राम नाम के साबुन से जो मन का मैल भगाएगा,
निर्मल मन के शीशे में तू राम के दर्शन पाएगा।।

रोम रोम में राम है तेरे वो तो तुझसे दूर नहीं,
देख सके ना आंखे उनको उन आंखों में नूर नहीं,
देखेगा तू मन मंदिर में ज्ञान की ज्योत जलाएगा,
निर्मल मन के शीशे में तू राम के दर्शन पाएगा।।

यह शरीर अभिमान है जिसका प्रभु कृपा से पाया है,
झूठे जग के बंधन में तूने इसको क्यो बिसराया है,
राम नाम का महामंत्र ये साथ तुम्हारे जाएगा,
निर्मल मन के शीशे में तू राम के दर्शन पाएगा।।

झूठ कपट निंदा को त्यागो हर इक से तुम प्यार करो,
घर आये मेहमान की सेवा से ना तुम इनकार करो,
पता नहीं प्यारे तू कब नारायण में मिल जाएगा,
निर्मल मन के शीशे में तू राम के दर्शन पाएगा।।

राम नाम के साबुन से जो मन का मैल भगाएगा,
निर्मल मन के शीशे में तू राम के दर्शन पाएगा।।

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/25896/title/ram-naam-ke-sabun-se-jo-man-ka-mail-bhagayega>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |